Need to resume Air Services from the New Hubli Airport in Karnataka

SHRI J. P. JAVALI (Karnataka): Mr. Vice-Chairman, I rise to make a special mention on a matter of public importance, to draw the attention of the House and the Government for resumption of air services from the New Hubli Airport.

A new airport was built in Hubli, the second largest city of Karnataka in 1987-88. This airport was built on law of about 400 acres, purchased by the, Hubli-Dharwad Municipal Corporation from the landowners some time in 1970, and handed over to the Civil Aviation Department, free of cost. The entire cost of the airport which came to more than Rs. 3 crores then, was borne by the State Govennment. This airport functioned for a few months in 1989 and abruptly stopped. The Civil Aviation Department suggested certain improvements for considering resumption of air services.

As suggested, extending the runway by 1000 metres and shifting of a H T electric line have now been completed. This has again cost the State Government nearly Rs. 1 crore. However, there has been disturbing news that the Control Tower Equipment which was received for Hubli has been diverted to some other airport. This has to be looked into by the Government and the needful should be done.

When Hubli was put on the air map, Vayudoot operated its services, en route Hubli, Bangalore, Tirupati, Madras and back. But it is to be noted that Hubli being a commercial and industrial centre, has the need to be connected by air to Bangalore on the one side and Bombay on the other. Therefore, I request that the air services be resumed immediately linking Hubli with Bangalore and Bombay. This can be done by the Indian Airlines. Also, the Hubli airport should be brought under the Airports Authority of India. The present runway .of. 2500 metres should be extended to 3500 metres to facilitate operations of Boeing and Airbus. This should be done by the Civil Aviation Department without burdening the Karnataka Government any further.

I once again request the Government to take immediate action to put Hubli on the air map of India.

श्री सत्य प्रकाश मालवीय: (उत्तर प्रदेश) : श्रीमान्, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है कि जिस मामले और माननीय विद्वान सदस्य डा० रत्नाकर पाण्डेय जी ने ध्यान आकर्षित किया है वह बहुत ही गम्भीर और महत्वपूर्ण है। उसमें सरकारी पत्रावलियों के बारे में चर्चा की गई है और और डा० पाण्डेय ने कहा है कि वे सब सत्य वाले हैं। दूसरी बात यह है कि उसमें तत्कालीन रेवेन्यू सेक्रेटरी का नाम लिया गया है और तत्कालीन डायरेक्टर आफ इनफोर्समेंट का नाम है और अपरोक्ष रूप में तत्कालीन वित्त मंत्री का भी नाम है। ये सारी चीजें रिकार्ड पर आ गई हैं। मेरा निवेदन है कि डा० पाण्डेय ने जो मामला उठाया है उसमें 50 करोड़ रुपयों का घोटाला मालूम पड़ता है। किस तरीके से यह पत्रावली बाहर आई और किस तरीके से जानकारी मिली, यह सब मालूम करना जरूरी है। सरकार के वित्त मंत्री यहां पर उपस्थित हैं, आप उपसभाध्यक्ष के रूप में उनको डायरेक्ट करें और निर्देश दें कि इस संबंध में जो तथ्य हैं यह सदन की जानकारी में होने चाहिए, सदन को उनकी जानकारी होनी चाहिए और सदन के माध्यम से सारे देश को जानकारी होनी चाहिए। जिस विषय की ओर ध्यान आकर्षित किया गया है, उसमें आरोप भी लगाए गए हैं। इसलिए यदि आरोप सही है तो उसकी जानकारी होनी चाहिए और अगर आरोप सही नहीं हैं तो उसकी भी सदन के माध्यम से देश को जानकारी होनी चाहिए।

... (.Interruptions)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHANKAR DAYAL SINGH): I am not permitting anybody. Kindly

excuse me. Please take your seat. I have permitted Shri Malaviya as a special case. I have to finish the Special Mentions first. In this regard, I would say that I will see the record and then refer the matter... *(Interruptions)* .

DR. RATNAKAR PANDEY (Uttar Pradesh): You need not refer to the record. You ask the Minister to make a statement. The Minister of State for Finance is present here.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHANKAR DAYAL SINGH): I will look into the record and I will go through the names mentioned by Dr. Pandey and then we will decide.

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : मेरा कहना है कि सरकार को जो बात सत्य है, वह बतानी चाहिए और अगर वह सत्य नहीं है तो इंकार करना चाहिए । इस बारे में सारे देश को जानकारी होनी चाहिए ।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : इसमें 18 करोड़ का घोटाला हुआ है और काफेपोसा के नियमों का उल्लंघन किया गया है । महोदय, आप जिस आसन पर बैठे हैं, वह सुप्रीम कोर्ट के जज के आसन से भी बड़ा है । माननीय शंकर दयाल सिंह जी आप सभापति जी के आसन पर बैठे हैं । इसकी बड़ी परम्परा है । आप सरकार को डायरेक्ट करिए ... **(व्यवधान)** । यह सदन सर्वोच्च संस्था है । अगर हमारी वाणी गलत है तो वैसा कहिए । यह तत्कालीन वी० पी० सिंह के समय का मामला है जब वे वित्त मंत्री थे । अगर यह सरकार रिएक्शन नहीं करती है तो यह ठीक नहीं है । इसलिए आप अपने निर्णय पर पुनर्विचार कीजिए ।

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : पाण्डेय जी, आपकी आवाज इतनी सक्षम है कि जहां तक आप पहुंचाना चाहते हैं वहां तक वह आवाज निश्चित रूप से पहुंचेगी ।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : माननीय उपसभाध्यक्ष जी, अगर मैंने आरोप लगाए हैं भारत के भतपूर्व प्रधानमंत्री और तत्कालीन वित्त मंत्री पर तो इस पर सरकार की ओर से स्टेटमेंट आना चाहिए । इस पर आप निर्देश दीजिए । आप उस आसन पर बैठे हैं जो पार्टी पोलिटिक्स से ऊपर होता है । यह आसन बड़ा महत्वपूर्ण है ... **(व्यवधान)** ....

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : पाण्डेय जी आप बैठिए । ... **(व्यवधान)**

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : (उत्तर प्रदेश) : आप चेयर पर आरोप लगा रहे हैं ... **(व्यवधान)** ..!

डा० रत्नाकर पाण्डेय : पार्टी पोलिटिक्स ... **(व्यवधान)** ..!

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : इसका मतलब क्या हुआ इसका मतलब यह हुआ कि आप चेयर पर आरोप लगा रहे हैं । ... **(व्यवधान)** ..!

डा० रत्नाकर पाण्डेय : इस संबंध में ... **(व्यवधान)** ...

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : पाण्डेय जी आप बैठिए ।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : वित्त मंत्री जी इस पर बयान दें ।

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : आप बैठिए ।

Need to examine viability of Bakreswar Thermal Power Project in West Bengal

SHRI SANTOSH BAGRODIA (Rajasthan): Mr. Vice-Chairman, Sir, my Special Mention is in regard to the Bakreswar thermal power poject.

It was taken up as a prestigious project by the C.P.I. (M) Government of West Bengal. Even when the